जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज़, 20.10.2019

साहित्य अकादमी की दो दिवसीय सेमिनार शुरू

जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज

जोधपुर। साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को होटल घूमर के बैंकेट हॉल में उर्दू के प्रसिद्ध शायर मीराजी तथा महात्मा गांधी पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू हुआ। सेमिनार का पहला दिन उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहा।

राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि शनिवार को प्रथम दिन आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर मीराजी की अस्त्री मानवीयत: मौजूदा दौर में विषयक अखिल भारतीय सेमिनार हुआ जिसमें साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शीन काफ निजाम ने अध्यक्षता की तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज़्म व मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई मुख्य अतिथि थे। इस दौरान हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन ख़ान ने पत्र वाचन किया।

सेमिनार के दूसरे दिन रविवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी और उर्दू विषयक सेमिनार होगा जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे तथा अध्यक्षता शीन काफ निजाम करेंगे। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के अजय कुमार शर्मा देंगे। सेमिनार में शमीम तारिक, अख्तर उल वासे, आफताब अहमद आफाकी, नसीम अहमद नसीम, कमर सिद्धीकी, अली अहमद फातमी, अबू जहीर रब्बानी और शम्शाद अली पत्र वाचन करेंगे।

मरू तिकोन
20.10.2019

साहित्य अकादमी की दो दिवसीय सेमिनार शुरू

जोधपुर। साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को होटल घूमर के बैंकेट हॉल में उर्दू के प्रसिद्ध शायर मीराजी तथा महात्मा गांधी पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू हुआ। सेमिनार का पहला दिन उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहा। राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि शनिवार को प्रथम दिन आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर मीराजी की असी मानवीयतः मौजूदा दौर में विषयक अखिल भारतीय सेमिनार हुआ जिसमें साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शीन काफ निजाम ने अध्यक्षता की तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म व मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे किदवाई मुख्य अतिथि थे। इस दौरान हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलताफ़ीन खान ने पत्र वाचन किया।

सेमिनार के दूसरे दिन रविवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी और उर्दू विषयक सेमिनार होगा जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे तथा अध्यक्षता शीन काफ निजाम करेंगे। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के अजय कुमार शर्मा देंगे।

हुक्मनामा समाचार
20.10.2019

साहित्य अकादमी का दो दिवसीय सेमिनार आज से

प्रथम दिवस उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहेगा

जोधपुर। साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शाइर चिन्तक और आलोचक शीन काफ़ निज़ाम अध्यक्षता में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म व मास कम्यूनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई मुख्य अतिथि होंगे इसके पश्चात् आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर ''मीराजी की अस्री मानवीयत- मौजूदा दौर मे'' विषयक दो सत्र में हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन ख़ान पत्रवाचन करेंगे। राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि होटल घूमर के बैंकेट हॉल में आयोजित सेमिनार में अनीस अशफाक़ व मौला बख़्श सत्र की अध्यक्षता करेंगे।

जोधपुर सिटी
दैनिक नवज्योति
जोधपुर, रविवार
20. 10. 2019

मीराजी मारुफ तो हुए लेकिन मकबूल नहीं: शीन काफ निजाम

साहित्य और उर्दू अकादमी का दो दिवसीय मीराजी-गांधी सेमिनार शुरु

नवज्योति/जोधपुर।

हिन्दुस्तानी ज़बान का शाइर मीराजी की शाइरी का ताअल्लुक़ आर्यों से जाकर मिलता हैं। जो कि जिन्स की जदलियात पर आधारित है जो संकल्प को प्राथमिकता देती है। इस दौर में मीराजी उर्दू शाइरी के साथ मारूफ यानी लोकप्रिय तो हुए लेकिन मक़बूल मतलब स्वीकार्य नहीं।

यह उद्गार साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातनाम शाइर चिन्तक और आलोचक शीन काफ़निज़ाम ने घूमर के बैंकट हॉल में आयोजित दो दिवसीय मीराजी और गांधी पर साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेज़बानी में आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज़्म व मॉस कम्यूनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपने उद्बोधन में कहा, मीराजी की शाइरी अन्तर्विरोधी क्षणों को प्रकाशित करने वाली हैं, इन्होने उमर खय्याम की नज़्मों का तर्जुमा भी किया है। स्वागत उदबोधन साहित्य अकादमी के सह संपादक अजय कुमार शर्मा ने दिया तथा संचालन शाइर शीन मीम हनीफ ने किया।

राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया, प्रथम सत्र में मीराजी की अस्त्री मानवीयता मौजूदा दौर में विषय पर सत्र के अध्यक्ष अनीस अशफाक़ ने अहसास और तर्जुमे की तर्जुमानी करते हुए बताया कि शाइरी को समझने के लिये शख्सियत से बुनियाद नही बनाना चाहिए। पत्रवाचन में त्रैमासिक पत्रिका इस्तिफ्सार के सह संपादक आदिल रज़ा मन्सूरी ने कहा, कि पाठक को कविता में रहते हुए ही अपना सच तलाश करना होता है। अयूबकर इब्बाद ने बताया, कि मीराजी की शाइरी जितनी सतह पर दिखती है उससे कई ज्यादा नीचे की तहों में मौजूद है। हक्कानी उल क़ासमी ने इनकी शाइरी में इज्तिमाइयत का ज़िक्र किया। सत्र का संचालन इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया। वहीं पोस्ट लंच सेशन में अध्यक्ष मौलाबक्श ने मीराजी की शाइरी में विष्णु दर्शन, शास्य दर्शन और चार्वाक की याद दिलाने वाला बताया।

पत्रवाचन में शाहिद पठान ने मग़रिबी.मश्रिकी मुल्की.ग़ैर मुल्की के तन्क़ीदी हवाले पेश किए। अलाउद्दीन ख़ान ने कहा, कि मीराजी के गीत फ़िक्र की दावत देते हैं तथा मुहम्मद हुसैन ने इनकी शाइरी में जिन्स की विषयपरक जज़्बात का हवाला दिया। सत्र का संचालन डॉ. निसार राही ने किया। रविवार को सेमिनार के दूसरे दिन महात्मा गांधी और उर्दू विषय पर पत्रवाचन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

राजस्थान पत्रिका, रविवार 20.10.2019

मीराजी पर अखिल भारतीय सेमिनार

'रूहानी नज्मों का डिस्पोज थी मीराजी की शायरी'

मीराजी हिन्दुस्तानी तहज़ीब के शाइर : निज़ाम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ मीराजी हिन्दुस्तानी तहजीब के शाइर हैं, वे जिन्स की जबलियात के शाइर हैं। मीराजी मारूफ तो हुए, मकबूल नहीं हुए। यह बात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शाइर व आलोचक शीन काफ निज़ाम ने कही। वे साहित्य अकादमी नई दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेजवानी में शनिवार को होटल घूमर में आयोजित आधुनिक उर्दू शाइर मीराजी पर 'मीराजी की अस्ली मानवीयता मौजूदा दौर में' विषयक अखिल भारतीय सेमिनार के उदघाटन सत्र में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा, मीराजी कहते थे कि मेरी नज्में उनके लिए हैं, जो नज्में समझना चाहते हैं। आप जब किताब पढ़ रहे होते हैं तो किताब आपको पढ़ रही होती हैं, क्योंकि फन हमारी जिबल्ली जरूरत है।

प्रख्यात आलोचक शाफ़े क़िदवई ने बीज वक्तव्य में कहा कि मीराजी उस तरह नजर नहीं आते, जैसे नून मीम राशिद थे, उनकी शाइरी रूहानी नज्मों का डिस्पोज था। मीराजी ने स्पीच एक्ट और कनवर्सेशन एक्ट से स्ट्रक्चर किया है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए आलोचक मौलाबख्श ने कहा कि मीराजी की सियासत आज की सियासत नहीं है। वे भारतीय संस्कृति के शाइर हैं। मीराजी ने पुरुष और प्रकृति के रिश्ते बताए हैं। इस सत्र में मोहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन खां ने पत्रवाचन किए। पहले सत्र की अध्यक्षता अनीस अशफाक ने की। इस सत्र में हक्कानी अल कासमी, आदिल रजा मन्सूरी और अबू बक्र इबाद ने पत्रवाचन किए। साहित्य अकादमी में सहायक संपादक अजयकुमार शर्मा ने स्वागत किया। आख़िर में राजस्थान उर्दू अकादमी के अध्यक्ष मोअज्जम अली ने शुक्रिया अदा किया। संचालन शीन मीम हनीफ़, निसार राही और इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया।

मीराजी कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि

आज महात्मा गांधी और उर्दू सेमिनार

रविवार सुबह 10.30 बजे से महात्मा गांधी की 150 वी जयंती के उपलक्ष्य में 'महात्मा गांधी और उर्दू' विषयक सेमिनार होगा, जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे और शीन काफ निजाम अध्यक्षता करेंगे। पहले सत्र में शमीम तारिक अध्यक्षता करेंगे और आफताब अहमद आफाकी, नसीम अहमद नसीम और कमर सिद्दीकी पत्रवाचन करेंगे। जबकि दूसरे सत्र में अख्तरुल वासे अध्यक्षता करेंगे। अबू जहीर रब्बानी और शमशाद अली परचे पढ़ेंगे।

पत्रिका PLUS

TAINMENT

जोधपुर, सोमवार, 21.10.2019

महात्मा गांधी पर अखिल भारतीय सेमिनार : मशहूर शाइर शीन काफ निजाम ने बापू को उर्दू प्रेमी और विभाजन विरोधी बतायी

जबानें जोड़ने के लिए, गांधी लोगों को जोड़ रहे थे

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ जबानें लोगों को जोड़ने के लिए होती हैं और गांधी लोगों को जोड़ रहे थे। गांधी ने भारत का विभाजन करने के सवाल पर कहा था कि अगर तकसीम (विभाजन) होगी तो मेरी लाश पर होगी। यह बात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शाइर शीन काफ निजाम ने कही। वे साहित्य अकादमी और राजस्थान उर्दू अकादमी की साझा मेजबानी में महात्मा गांधी की 150 वी जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को होटल घूमर में आयोजित 'महात्मा गांधी और उर्दू' विषयक अखिल भारतीय सेमिनार में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। उनका कहना था कि विश्व प्रिय स्वदेशी भाषा उर्दू गंगा जमनी तहजीब और हिन्दुस्तानियत और राष्ट्रीयता की भाषा है। इस भाषा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

मुख्य अतिथि प्रख्यात गांधीवादी विचारक और आलोचक बीकानेर के डॉ.नंदकिशोर आचार्य ने कहा कि आध्यात्मिकता में नैतिकता के सिवा कुछ नहीं होता, नैतिक होना ही आध्यात्मिक होना है। सत्य पर जब आर मण हो, तब उसका प्रतिरोध करना आवश्यक हो जाता है।

महात्मा गांधी और उर्दू विषयक प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात शिक्षाविद पद्मश्री प्रोफेसर अख्तरुल वासे ने कहा कि किसी भी जबान के जिन्दा रहने और ना रहने के लिए उसके बालेने वालों की जिम्मेदार बनती है। इस सत्र में चम्पारण के नसीम अहमद नसीम और आफताब अहमद आफाकी ने पत्रवाचन किया। आलोचक शमीम तारिक ने दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए महात्मा गांधी के नजदीक दोनों भाषाओं में समानांतर रिश्ता बताया। अली अहमद फातमी ने महात्मा गांधी और भारत विभाजन विषय पर शोधपूर्ण व ऐतिहासिक गुफ्तगू की। वहीं शमशाद अली व अबू जहीर रब्बानी ने परचे पढ़े।

नवज्योति एक्सप्रेस जोधपुर

महात्मा गांधी के उर्दू प्रेम के साथ दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार का हुआ समापन

अहसास और जज्बात का नियंत्रण भी अहिंसा है: शीन काफ निजाम

नवज्योति/जोधपुर।

घूमर के बैंकट हॉल में दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार के दूसरे दिन रविवार को प्रारंभिक सत्र में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेज़बानी में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता शाइर शीन काफ निजाम ने की।

उन्होंने कहा, दुनिया का हर मज़हब और ज़बान का संबंध अहिंसा से ही हैं, भाषा व संस्कृति की पहचान है जो इसे निर्मित भी करती है और इसकी हिफाज़त भी करती है। आदमी से इन्सान होने की यात्रा हिंसा से अहिंसा की ओर बढना ही तो है। इसलिए अहसास और जज्बात को नियंत्रण करना भी अहिंसा का विस्तृत रूप हैं। गांधी कभी भी मुल्क की तक़सीम नहीं चाहते तभी उन्होंने कहा कि अगर बंटवारा हुआ तो मेरी लाश पर से

होगा। महात्मा गांधी पर अधिकृत ख्यातनाम लेखक चिन्तक और आलोचक बीकानेर के प्रोफेसर डॉ.नंदकिशोर आचार्य ने बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए महात्मा गांधी को अहिंसा का संदेश देने वाले विद्रोही महात्मा की संज्ञा दी। आचार्य ने कहा, गांधी प्रामाणिक जीवन जीने वाले व्यक्ति थे। आध्यात्मिकता में नैतिकता के सिवा कुछ नहीं होताए नैतिक होना ही आध्यात्मिक होना है। साहित्य अकादमी के सह संपादक अजय कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया, संचालन शाइर अफ़ज़ल जोधपुरी ने किया।

महात्मा गांधी और उर्दू विषयक प्रथम सत्र में मौलाना आज़ाद मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाइस चान्सलर पद्मश्री प्रो. अखूतरूल वासे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में किसी भी ज़बान के ज़िन्दा रहने और ना रहने के ज़िम्मेदार उसके बालेने वालों की ज़िम्मेदारी बताया। पत्रवाचन में चम्पारण के नसीम अहमद नसीम ने चम्पारण के सत्याग्रह से प्रारंभ कर गांधी को शाइरी के पैकर बनने के उदाहरण प्रस्तुत किए। आफ्ताब अहमद आफाक़ी ने भी पत्रवाचन किया। सत्र का संचालन इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया। दूसरे सत्र में शमीम तारिक़ ने अध्यक्षता करते हुए कहा, कि हिन्दुस्तानी का मतलब ही उर्दू और हिन्दी दोनो ज़बानें अपने रस्मुलख़त के साथ ज़िन्दा रहें। पत्रवाचन करते हुए शमशाद अली ने गांधी जी के ख़तों में ख़ुद के लघु नाम में मीम काफ गांधी लिखना भी बताया।

अबु ज़हीर रब्बानी ने महात्मा गांधी और उर्दू रस्मुलख़त पर अपना मिक़ाला पढा। अली अहमद फातमी ने महात्मा गांधी और तक़सीमे हिंद पर गुफ्तगू की। सत्र संचालन एमआई ज़ाहिर ने किया। इस अवसर पर शाइर हबीब कैफी, मास्टर इस्हाक़ चिश्ती, शीन मीम हनीफ, इक़बाल कैफ, अब्दुल ग़नी फौजदार व गजेसिंह राजपुरोहित सहित उर्दूए हिन्दी राजस्थानी के साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

hukmnama samachar 21.10.2019

अहसास और जज़्बात का नियन्त्रण भी अहिंसा है : निज़ाम

महात्मा गांधी के उर्दू प्रेम के साथ दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार सम्पन्न

हुक्मनामा समाचार

जोधपुर। ''दुनिया का हर मज़हब और ज़बान का सम्बन्ध अहिंसा से ही है, भाषा, संस्कृति की पहचान है जो इसे निर्मित भी करती है और इसकी हिफाज़त भी करती है....., आदमी से इन्सान होने की यात्रा हिंसा से अहिंसा की ओर बढना ही तो है अत: अहसास और जज़्बात को नियन्त्रण करना भी अहिंसा का विस्तृत रूप हैं ...., गांधी कभी भी मुल्क की तक़सीम नहीं चाहते तभी उन्होंने कहा कि अगर बंटवारा हुआ तो मेरी लाश पर से होगा....'' यह उद्गार साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातनाम शाइर चिन्तक और आलोचक शीन काफ़ निज़ाम ने घूमर के बैंकट हॉल में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय सेमिनार के दूसरे दिन प्रारम्भिक सत्र में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर बतौर अध्यक्ष व्यक्त किये।

महात्मा गांधी पर अधिकृत ख्यातनाम लेखक चिन्तक और आलोचक बीकानेर के प्रोफेसर डॉ.नन्द किशोर आचार्य ने साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेज़बानी में रविवार को मुख्य अतिथि के तौर पर अपने उद्बोधन में महात्मा गांधी को अहिंसा का सन्देश देने वाले विद्रोही महात्मा की संज्ञा दी और कहा कि वे प्रामाणिक जीवन जीने वाले व्यक्ति थे, आध्यात्मिकता में नैतिकता के सिवा कुछ नहीं होता, नैतिक होना ही आध्यात्मिक होना है..., सत्य पर जब आक्रमण हो तब उसका प्रतिरोध करना आवश्यक हो जाता है.., गांधी के इस दर्शन को इंगित करने वाले सत्र में स्वागत उद्बोधन और आभार साहित्य अकादमी के सहसम्पादक अजय कुमार शर्मा ने दिया तथा संचालन शाइर अफ़ज़ल जोधपुरी ने किया। महात्मा गांधी और उर्दू विषयक प्रथम सत्र में मौलाना आज़ाद मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाइस चान्सलर पद्मश्री प्रोफेसर अख़्तरूल वासे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में किसी भी ज़बान के ज़िन्दा रहने और ना रहने के ज़िम्मेदार उसके बोलने वालों की ज़िम्मेदारी बताया। इस सत्र में चम्पारण के नसीम अहमद नसीम तथा आफताब अहमद आफाक़ी ने भी पत्रवाचन किया। सत्र का संचालन इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया, वहीं दूसरे सत्र में शमीम तारिक़ ने अध्यक्षता करते हुए महात्मा गांधी के नज़दीक दोनों ज़बानों में समानान्तर रिश्ते को इंगित किया। अबु ज़हीर रब्बानी ने महात्मा गांधी और उर्दू रस्मुलख़त पर अपना मिक़ाला पढा और अली अहमद फातमी ने महात्मा गांधी और तक़सीमे हिन्द पर गुफ्तगू की। सत्र संचालन एमआई ज़ाहिर ने किया। इस अवसर पर शाइर हबीब कैफी, मास्टर इस्हाक़ चिश्ती, शीन मीम हनीफ, इक़बाल कैफ, अब्दुल ग़नी फौजदार, गजेसिंह राजपुरोहित सहित उर्दू, हिन्दी राजस्थानी के साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।